

प्रकरण -2

रुग्णालयाची रचना कार्य व कर्तव्य यांचा तपशील

रुग्णालयाचे उद्दिष्ट

जनतेला उत्तम दर्जाची द्वितीय स्तरीय सर्वांगीण आरोग्यसेवा उपलब्ध करून देणे.

2-1 रुग्णालयाचे ध्येय

जनतेला उत्तम दर्जाची सर्वांगीण द्वितीय स्तरीय सर्वांगीण आरोग्यसेवा रुग्णालयाच्या मर्यादेच्या अधीन राहून आपुलकीने व आतिथ्यकारकरित्या उपलब्ध करून देणे.

2-2 इतिहास

बृहन्मुंबई महानगरपालिकेच्या षताब्दी प्रित्यर्थ हे रुग्णालय 1982 साली अस्तित्वात आले.म्हणून त्याचे नामकरण शताब्दी रुग्णालय असे करण्यात आले .

सदरहु रुग्णालय मानखुर्द, गोवंडी, चित्ता कॅम्प, शिवाजी नगर पांजरपोळ ह्या विभागाच्या खुप मोठया लोकवस्तीला आरोग्य विषयक सेवा पुरविते.

परंतु कोणत्याही विभागांतील जनता ह्या रुग्णालयाच्या सेवेचा लाभ घेवू शकते. हे रुग्णालय वामन तुकाराम पाटील मार्ग, गोवंडी, मुंबई नं. 400088 ठिकाणी अस्तित्वात आहे.

रुग्णालयाचे क्षेत्रफळ - 15176 चौ. मीटर.

बांधकामाचे क्षेत्रफळ - 4688 चौ. मीटर.

रुग्णालय बांधणीचे स्वरुप दोन प्रकारचे आहे.

1) दोन मजली मुख्य इमारत , 2) एक मजली बाह्य रुग्ण विभाग इमारत.

| | | |
|---------------------|---|------------|
| रुग्णालयाची स्थापना | - | 12/12/1982 |
|---------------------|---|------------|

| | | |
|-----------------------------------|---|------------|
| अपघात विभागाची सुरुवात | - | 2/10/1989 |
| अति दक्षता विभाग सुरुवात | - | 15/02/1990 |
| वैद्यकीय अति दक्षता विभाग सुरुवात | - | 21/03/1996 |

रुग्णालय विस्तार

| वर्ष | खाटा |
|------|---|
| 1982 | 180 खाटा |
| 1990 | 10 खाटा अति दक्षता विभागा साठी अधिक वाढविल्या. |
| 1996 | 10 खाटा वैद्यकीय अति दक्षता विभागासाठी अधिक वाढविल्या. |
| 1998 | प्रसूती कक्षासाठी . 4 खाटा अपुरया दिवसाच्य नवजात अर्भकासाठी अधिक . 6 खाटा वाढविल्या |
| एकूण | 210 खाटा |

2-3 सर्वसामान्य जनतेस उत्तम आरोग्य सेवा नम्रतेने व आतिथ्यकारकरित्या उपलब्ध करुन देणे.

2-4

रुग्णालयाच्या मुख्य आरोग्य सेवा .

बाह्य रुग्ण विभाग . सकाळी 8ण्30 ते 12ण्30

या कालावधीत कार्यरत असतो.

विविध बाह्य रुग्ण विभाग

| क्रमांक | विभाग | कामाचे दिवस |
|---------|--|---|
| 1 | वैद्यकिय | कामाचे पूर्ण दिवस |
| 2 | बालरुग्ण चिकित्सा | कामाचे पूर्ण दिवस |
| 3 | शल्यचिकित्सा | मंगळवार, गुरुवार, शनिवार |
| 4 | अस्थिव्यंग विभाग | सोमवार, बुधवार, शुक्रवार |
| 5 | कान, नाक, घसा, विभाग | मंगळवार, गुरुवार, शनिवार |
| 6 | नेत्रचिकित्सा विभाग | सोमवार, बुधवार, शुक्रवार |
| 7 | प्रसुति विभाग | सोमवार, बुधवार, शुक्रवार |
| 8 | मनोविकास विभाग | संपूर्ण दिवस |
| 9 | प्रसुतिपुर्व तपासणी नविन नोंदणी जुने प्रसुतिपूर्व तपासणी | दुपारी 1 ते 3 पर्यंत सोमवार, बुधवार, शुक्रवार |
| 10 | लसी करण | मंगळवार, गुरुवार, शनिवारी सकाळे 8 ते 12 पर्यंत दिले जातात. |
| 11 | ऐच्छिक आणि गोपनीय समुपदेशन व रक्त तपासणी केंद्र ;(एच.आय.व्ही) | सर्व कामाचे दिवस सकाळी 9 ते संध्याकाळी 4-00 पर्यंत विभागामध्ये पाहिले जातात |
| 12 | दुपार . बाह्यरुग्ण विभाग | दुपारी 2-00 ते 3-00 या वेळी |
| 13 | अपघात विभाग | 24 तास तातडीच्या सर्व रुग्णांवर अपघात विभागात बाह्यरुग्ण विभागाच्या व्यतिरिक्त वेळेत उपचार केले जातात. अपघात विभागात सर्व न्याय वैद्यक ;पोलीस प्रकरणाचे द्दरुग्ण तपासले जातात. |
| 14 | अल्कोहोलिक्स ऍनॉनिमस | आठवड्याच्या प्रत्येक शुक्रवारी सकाळी |

| | | |
|----|---|---|
| | ;मदयपी रुग्णांसाठी विभाग) | 11-00 वाजता मिटींग घेतली जाते. |
| 15 | कुटुंब नियोजन विभाग व प्रसूतिपश्चात केंद्र | सर्व कामाच्या दिवशी सकाळी 9-00 ते दुपारी 4-00 पर्यंत |
| 16 | पी.पी.टी.सी.टी.विभाग(पालकांकडून बाळास होणारया संक्रमणाचे प्रतीबंध केंद्र ;एच्.आय्.व्ही/एड्स)(समुपदेशन व रक्त तपासणी) | सर्व कामाच्या दिवशी सोमवार, बुधवार, शुक्रवार, दुपारी 1-00 ते 4-00 वा. पर्यंत. |
| 17 | लोक सेवा संगम यांनी चालविलेला कुष्ठरोग तपासणी व त्वचा रोग तपासणी विभाग बाह्यरूप विभाग. | सोमवारी सकाळी 8-00 ते 10-00 वाजेपर्यंत |

रुग्णालयात देण्यात येणारया इतर सेवा.

| | | |
|---|------------------------|---|
| 1 | प्रयोगशाळा | सकाळ व संध्याकाळ सत्र |
| 2 | क्ष- किरण विभाग | 24 तास सेवा |
| 3 | हृदय स्पंदन आलेख विभाग | सकाळी 8-00 ते 4-00 वा. (दररोज) कामकाजा दिवशी |
| 4 | समाज विकास अधिकारी | स. 9-00 ते 4-00 वा. |

आंतररुग्ण विभागात एकुण 210 खाटा आहेत त्या खालील प्रमाणे .

| | | |
|--|--|---------|
| | पुरुष वैदयकीय आंतररुग्ण विभाग. | 20 खाटा |
| | पुरुष कान, नाक, घसा आंतररुग्ण विभाग | 10 खाटा |
| | पुरुष नेत्र शत्रक्रिया आंतररुग्ण विभाग | 10 खाटा |
| | पुरुष शल्यक्रिया आंतररुग्ण विभाग | 20 खाटा |
| | पुरुष अस्थिव्यंग आंतररुग्ण विभाग | 20 खाटा |
| | वैद्यकीय अतिदक्षता विभाग | 10 खाटा |

| | | |
|--|--|---------|
| | बालरुग्ण विभाग ;आंतररुग्ण) | 30 खाटा |
| | अकाली जन्म अर्भक व नवजात अर्भक अतिदक्षता विभाग | 6 खाटा |
| | प्रसुति आंतररुग्ण विभाग | 34 खाटा |
| | अती दक्षता विभाग | 10 खाटा |
| | महिला वैद्यकीय आंतररुग्ण विभाग | 10 खाटा |
| | महिला शल्यक्रिया आंतररुग्ण विभाग | 10 खाटा |
| | महिला अस्थिव्यंग आंतररुग्ण विभाग | 10 खाटा |
| | महिला नेत्र शल्यक्रिया आंतररुग्ण विभाग | 5 खाटा |
| | एकूण खाटा | 210 |

चार्ट

प्रशासकीय रचना - शताब्दी रूग्णलय, गोवंडी

प्रमुख वैद्यकीय अधिकारी

वरिष्ठ वैद्यकीय अधिकारी

| प्रशासन कार्यालय | परिरक्षण | वैद्यकीय | | परिचारीका व कामगार वर्ग | | मिश्र वैद्यकीय | | | | | |
|--------------------------|----------------------|--|----------------|-------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------------------|------------|--------------------------|-----------------------------|
| | | मुख्य लिपिक (लेखा) व मुख्य लिपिक (आस्था) | वीजतंत्री | वरिष्ठ वैद्यकीय अधिकारी | मानसेवी | कनिष्ठ सहायक अधिसेचिका | | क्ष-किरण | प्रयोगशाळा | समाजविकास अधिकारी | विद्युत हृदयस्पंदन तंत्रज्ञ |
| | | वैद्यकीय अधिकारी | प्रबंधक | परिसेविका | सहा. हविलदार | क्ष-किरण तंत्रज्ञ | प्रयोगशाळा तंत्रज्ञ | | | | औषधनिर्माता |
| | | सहा. वैद्यकीय अधिकारी | आवास अधिकारी | परिचारिका | कामगार वर्ग | क्ष-किरण सहा. | प्रयोगशाळा सहा | | | | |
| | | | प्रशिक्षणार्थी | परिचारिका प्रसारिका | रजा राखीव कामगार | क्ष-किरण मदतनीस | प्रयोगशाळा मदतनीस | | | | |
| | | | | शत्रक्रिया सहायक | | | कामगार | | | | |
| | | | | | | | व्यवसायोपचारक | तज्ञ दंतचिकित्सक (अर्धवेळ) | | नोंदणी | दुरध्वनी चालक |
| लिपिक व लिपिक नि टंकलेखक | उदवाहन चालक व वायरमन | | | | | | | | | वैद्यकीय नोंदणी तंत्रज्ञ | |
| शिपाई | प्रशितन सयंत्र चालक | | | | | | | | | नोंदणी सहायक | |
| | प्रशितन मदतनीस | | | | | | | | | शिपाई | |

2-8 रुग्णालयाची कार्यक्षमता वाढविण्याकरीता जनतेकडून वेळोवेळी सूचना येण्याची आवश्यकता आहे.

2-9 जनसहयोगासाठी केलेल्या पध्दती व व्यवस्था

1 दक्षता समिती . महापालिकेच्या संबंधित विभागाचे नगरसेवक व अशासकिय संस्थांचे प्रतिनिधी यांचा सहभाग

2 प्रभाग समिती . महानगरपालिकेच्या संबंधित विभागाचे नगरसेवक आणि काही निवडक लोकप्रतिनिधी यांचा सहभाग.

3 अशासकीय संस्था.- ज्येष्ठ नागरिक संघ देवनार

2-10 कार्यप्रणालीवर देखरेख व लोकांच्या तक्रारींचे निरसन करण्यासाठी असलेली व्यवस्था.

अ) तक्रारवही

ब) प्रमुख वैद्य अधिकारी वरिष्ठ वैद्य अधिकारी वैद्यकीय अधिकारी जनतेच्या तक्रार निवारणासाठी उपलब्ध असतात.

क) दक्षता समितीची बैठक वेळोवेळी घेतली जाते.

ड) माता बाल-कल्याण आरोग्य समिती महापालिकेच्या सभेमध्ये जनतेच्या तक्रारींची दखल घेतली जाते.